TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

2024

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

03 अप्रैल

1. **हिन्दी रंगमंच दिवस–** 3 अप्रैल को हिन्दी रंगमंच दिवस मनाया जाता है। हिन्दी रंगमंच को भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने नयी दिशा दी थी। उन्होंने अपने निबंध 'नाटक' (1884) में लिखा कि हिन्दी भाषा में जो सबसे पहला नाटक खेला गया वह (शीतला प्रसाद त्रिपाठी कृत) 'जानकीमंगल' था। यह नाटक बनारस में 3 अप्रैल, 1868 ई. को मंचित हुआ था। 'इंडियन मेल' में इसके प्रथम मंचन का उल्लेख आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में भी किया है। माना जाता है कि छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर जिले के रामगढ़ पहाड़ पर महाकवि कालीदास जी द्वारा निर्मित एक प्राचीनतम (भारत का प्रथम) नाट्यशाला है।
2. **निजामुद्दीन औलिया का निधन–** चिश्ती सम्प्रदाय के चौथे संत हज़रत निजामुद्दीन औलिया का निधन 3 अप्रैल, 1325 ई. को हुआ था। शेख निजामुद्दीन औलिया ने सात सुल्तानों का कार्यकाल देखा लेकिन किसी से दरबार से सम्बद्ध नहीं रहे। शेख निजामुद्दीन औलिया को 'महबूब–ए–इलाही' और 'सुल्तान–उल–औलिया' की उपाधि प्रदान की गयी। औलिया ने योग की प्राणयाम की पद्धति इस हद तक अपनायी कि उन्हें 'योगी सिद्ध' कहा जाने लगा। दक्षिणी दिल्ली में स्थित हज़रत निजामुद्दीन औलिया का मकबरा सूफी काल की एक पवित्र दरगाह है।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 2, अध्याय 7 पृष्ठ 131 से जोड़कर चर्चा करें।**
3. **शिवाजी का निधन–** मराठा शासक छत्रपति शिवाजी का निधन महाराष्ट्र के रायगढ़ के किले में 3 अप्रैल, 1680 ई. को हुआ था। छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के महान योद्धा एवं रणनीतिकार थे जिन्होंने 1674 में पश्चिम भारत में मराठा साम्राज्य की नींव रखी। उन्होंने कई बार मुगल बादशाह औरंगजेब से संघर्ष किया। उन्होंने फारसी के स्थान पर मराठी एवं संस्कृत को राजकाज की भाषा बनाया।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 2, अध्याय 9 पृष्ठ 153 से जोड़कर चर्चा करें।**
4. **राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय–** स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा 'सोयूज टी–11' नामक सोवियत यान से अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय तथा विश्व के 138वें व्यक्ति बने। 2 अप्रैल, 1984 को रूसी अंतरिक्ष यान से रवानगी हुई और 3 अप्रैल, 1984 ई. को 'सेल्यूट–7' अंतरिक्ष केन्द्र में पहुँचे। यान में राकेश शर्मा के साथ दो अन्य अंतरिक्ष यात्री कमांडर वाई. वी. मालिशेव तथा फ्लाइट इंजीनियर जी. एम. स्ट्रकोलॉफ भी थे। इन्होंने अंतरिक्ष में 7 दिन 21 घंटे और 40 मिनट बिताये। ये 3 अप्रैल, 1984 से 11 अप्रैल, 1984 तक अंतरिक्ष में रहे और 'सोयुज–10' अंतरिक्ष यान से मास्को से 3000 किमी. दूर अर्कालिक नगर के समीप वापस आ गये। अंतरिक्ष यात्रा के दौरान भारत की तत्कालिन

WEDNESDAY

मधु प्रिया

हिंदी रंगमंच दिवस 3अप्रैल

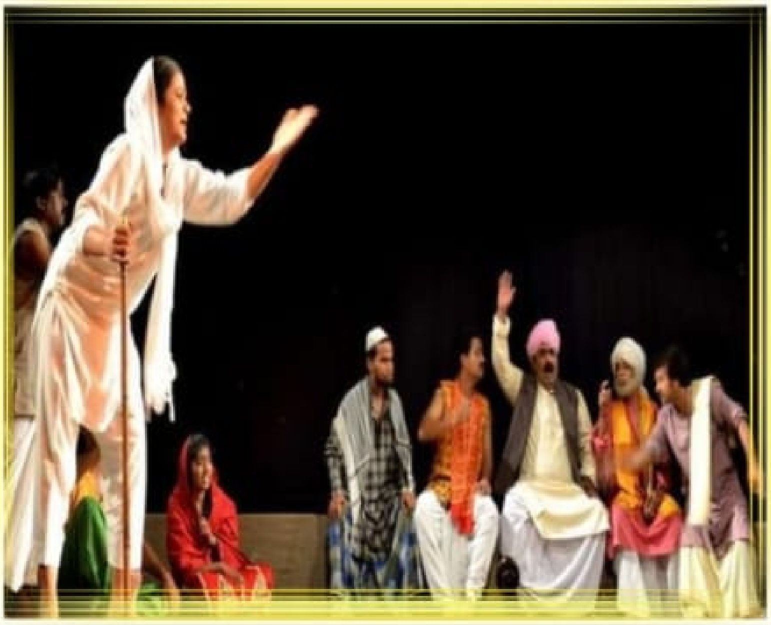

हिंदी रंगमंच दिवस प्रतिवर्ष 3 अप्रैल को मनाया जाता है। तीन अप्रैल 1868 की शाम बनारस में पहली बार शीतलाप्रसाद त्रिपाठी कृत हिन्दी नाटक 'जानकी मंगल' का मंचन हुआ। जून 1967 में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिंदी साहित्य का इतिहास में पहली बार इस नाटक के मंचन को प्रामाणिक तौर पर पुष्ट किया। इंग्लैंड के 'एलिन इंडियन मेल' के आठ मई 1868 के अंक में भी उस नाटक के मंचन की जानकारी भी प्रकाशित हुई थी। इसी आधार पर पहली बार शरद नागर ने ही हिन्दी रंगमंच दिवस की घोषणा तीन अप्रैल को की थी।हिंदी रंगमंच के विकास में 'भारतेंदु नाटक मंडली' (1906) की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है।इस मंडली ने लगभग डेढ़ दर्जन नाटकों का मंचन किया जिसमें 'सत्य हरिश्चंद्र' , 'सुभद्रा हरण' , 'चंद्रगुप्त' , 'स्कंदगुप्त' , 'ध्रुवस्वामिनी' प्रमुख है। इस नाटक मंडली ने भारतेंदु युगीन नाटकों के साथ – साथ प्रसाद के नाटकों को भी सफलतापूर्वक मंचित कर हिंदी के अपने स्वतंत्र रंगमंच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

पुण्यतिथि विशेष 03 अप्रैल

राकेश कुमार

शिवाजी *Shivaji*, पूरा नाम: 'शिवाजी राजे भोंसले', जन्म: 19 फ़रवरी, 1630 ई.; मृत्यु: 3 अप्रैल, 1680 ई.) पश्चिमी भारत के मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे। शिवाजी के पिता का नाम शाहजी भोंसले और माता का नाम जीजाबाई था। सेनानायक के रूप में शिवाजी की महानता निर्विवाद रही है। शिवाजी ने अनेक क़िलों का निर्माण और पुनरुद्धार करवाया। उनके निर्देशानुसार सन 1679 ई. में अन्नाजी दत्तो ने एक विस्तृत भू-सर्वेक्षण करवाया, जिसके परिणामस्वरूप एक नया राजस्व निर्धारण हुआ।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 03.04.2024

चेतना

चेतना (conciousness) कुछ जीवधारियों में स्वयं के और अपने आसपास के वातावरण के तत्वों का बोध होने, उन्हें समझने तथा उनकी बातों का मूल्यांकन करने की शक्ति का नाम है। विज्ञान के अनुसार चेतना वह अनुभूति है जो मस्तिष्क में पहुँचनेवाले अभिगामी आवेगों से उत्पन्न होती है। इन आवेगों का अर्थ तुरंत अथवा बाद में लगाया जाता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू का **बिजली महादेव मंदिर**, भारत के सबसे **प्राचीन मंदिरों** में से एक है। मंदिर के अंदर स्थित **शिवलिंग** हर 12 साल में रहस्यमय तरीके से **आकाशीय बिजली** से टकराता है, इससे **शिवलिंग** के टुकड़े-टुकड़े हो जाते हैं। इसके बाद **पुजारी** टुकड़ों को इकट्ठा करके उन्हें **जोड़** देते हैं।

टेनिस

बोपन्ना ने मियामी ओपन जीतकर इतिहास रचा:

ATP मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने; एब्डन के साथ मेंस डबल्स चैंपियन बने

भारत के टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने मियामी ओपन 2024 के मेंस डबल्स का टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया है। बोपन्ना 44 साल की उम्र में ATP मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने पिछले साल इंडियन वेल्स का खिताब जीतकर बनाया था।

TOB बूझो तो जानें. .

383

बिन खाए , बिन पिए , सबके घर में रहता हूँ , ना हँसता हूँ , ना रोता हूँ , घर की रखवाली करता हूँ .... बुझो तो जानें ?

संजय कुमार

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 358

रेडियो-संचार में, प्रेषण ऐन्टेना द्वारा उत्सर्जित संकेत प्रतिबिंबित कहां होते हैं?

A. आयन मंडल में

B. बाह्य मंडल में

C. समताप मंडल में

D. ओजोन परत पर

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: A

पोषण **कक्षा 10 बिहार बोर्ड**

परपोषण

- परपोषण एक विशेष प्रकार पोषण है जिसमें जीव अपना भोजन स्वयं तैयार नहीं करता है। ऐसे जीव परपोषी कहलाते हैं।
- परपोषण या विषमपोषण तीन प्रकार के होते हैं।

1. मृतजीवी पोषण 2.परजीवी पोषण 3. प्राणीसम पोषण

मृतजीवी पोषण

वह पोषण जिसमें जीव अपना भोजन मृत एवम् सड़े गले पदार्थों से करता है। ऐसे पोषण को मृतजीवी पोषण कहते हैं।

उदाहरण - कवक एवं जीवाणु

कवक

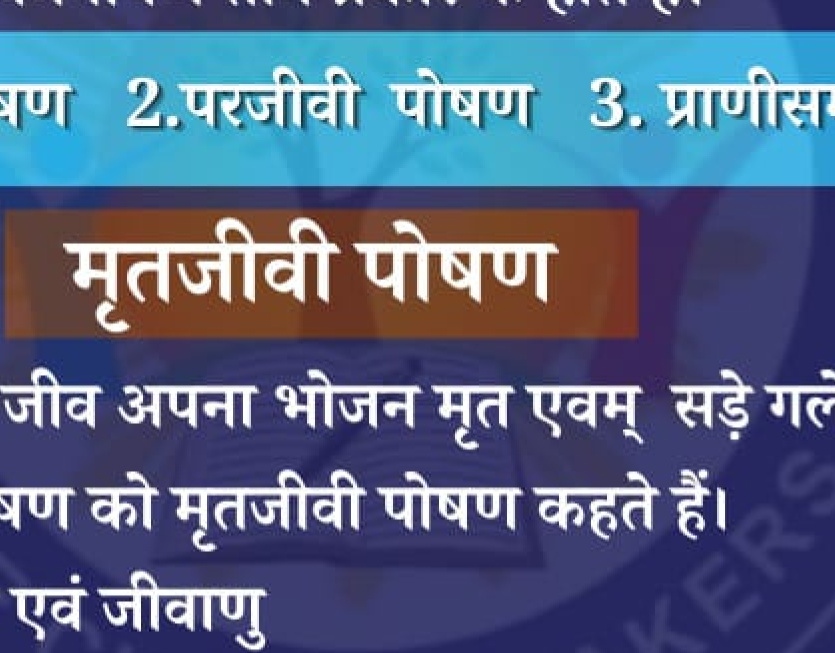

जीवाणु

राजेश कुमार सिंह

महान छत्रपति योद्धा

छत्रपति शिवाजी

महाराज

जी की पुण्यतिथि पर
शत्-शत् नमन।

जन्म- 19 फरवरी 1630
मृत्यु- 3 अप्रैल 1680

Madhu priya

/teachersofbihar

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Supreme
हिन्दी रंगमंच दिवस 3 अप्रैल
रंगमंच से जुड़े लोगों को हिन्दी रंगमंच दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

पुण्यतिथि विशेष

03 अप्रैल 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जब हौसले बुलंद हो तो पहाड़

भी एक मिट्टी का ढेर लगता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज

(मराठा साम्राज्य के महान शासक)

जन्म: 19 फरवरी 1630 मृत्यु: 03 अप्रैल 1680

राकेश कुमार